साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा डोगरी साहित्य मंच का आयोजन

साम्बा, 4 अगस्त (संजीव): साहित्य अकादमी नमीं दिल्ली द्वारा बेवलाईन साहित्य श्रृंखला के तहत डोगरी साहित्य मंच का आयोजन किया गया। इसमें डोगरी के कई जाने-माने कवियों ने भाग लिया। सर्वश्री ध्यान सिंह, शिवदेव सुशील और बिशन सिंह दर्दी इनमें प्रमुख रूप से शामिल हुए।

पेशे से अध्यापक ध्यान सिंह साहित्य क्षेत्र में जाना-माना नाम हैं। विभिन्न विषयों पर इनकी आज तक 27 किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। वर्ष 2015 में इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मनित किया गया था। साहित्य मंच में कविता पाठ करते हुए उन्होंने अपनी रचना सुनाई।

दूसरे प्रतिभागी कवि शिवदेव सुशील ने भी अपनी रचनाएं सुनाई। सहायक कार्यकारी अभियंता के पद से सेवामुक्त होचुके सुशील अब 14 पुस्तकें लिख चुके हैं। बक्खरे-बक्खरे सच्च, किताब के लिए इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिल चुका है।

डोगरी के सुप्रसिद्ध बिशन सिंह दर्दी

तीसरे कवि बिशन सिंह दर्दी, जोकि गीतकार भी हैं और आज तक 7 किताबें लिख चुके हैं, ने चमुक्खे सुनाए। दर्दी डोगरी में बनबास नाम से डोगरी में रामायण भी लिख चुके हैं, कई डोगरी फिल्मों में गाने लिखने के अलावा इनके लिखे गाने बॉलीवुड की फिल्मों में भी गाए जा चुके हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, का मोबाईल की कॉलर टोन में बजने वाला थीम साँग भी दर्दी द्वारा लिखा गया है। रेडियो व दूरदर्शन के कई सीरियलों के लिए भी लिख चुके हैं।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed,05 August 2020
Edition: jammu kesari, Page no. 4